The innovative hydro-pneumatic stowing technology currently being used at some locations in Raniganj coalfield has been found to be very slow process. High pressure slurry pumping technology for underground void filling should be tried at some locations in Bharat Coking Coal Limited for stabilising inaccessible unstable underground workings.

Intensive stabilisation work of unstable areas under locations, like Raniganj town from where population can not be shifted, should be carried out and persons affected in the high risk but low density areas may be relocated in a phased manner.

The mitigation measures against subsidence and fire hazards are very costly options. For arranging fund for the purpose of stabilisation of subsidence prone areas and resettlement of affected people, the current limit of excise duty levied for Coal Conservation and Development Act fund of Rs. 10 per tonne may be increased to Rs. 25 per tonne.

The Interim Reports submitted by Bharat Coking Coal Limited and Eastern Coalfields Limited jointly with State authorities on the fire and subsidence prone areas indicating likely affected population and financial implications should be kept in view while drawing up priority-wise schemes for immediate and effective way to deal with the problems.

(e) Considering the urgency one scheme each by Eastern Coalfields Limited and Bharat Coking Coal Limited for shifting of population from the unsafe areas has been decided to be taken up without waiting for the positioning of the institutional arrangement from plan funds available with Ministry of Coal. The final report with above and other slight modifications in the Interim Report is under submission.

उड़ीसा के वसुन्धरा कोयला खदानों में उपलब्ध कोयला

468. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला**: क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिला स्थित गोपालपुर के वसुन्धरा कोयला खानों में उपलब्ध कोयला किस श्रेणी का है,

(ख) वर्ष 1997-98 के दौरान उक्त कोयला खानों से कोयला उठाने के लिए कुल कितना लक्ष्य निर्धारित किया गया है,

(ग) क्या सरकार ने इन खानों के कोयले के निर्यात के लिए कोई योजना बनाई है,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ङ) पता लगाए गए प्रमुख उपभोक्ता कौन से हैं अथवा खानों के कोयले के निपटान के लिए सरकार के पास क्या प्रस्ताव है?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह): (क) उड़ीसा के सुन्दरगढ़जिले के गोपालपुर ब्लाक की वसुन्धरा कोयला खान में उपलब्ध कोयला "ई" तथा "एफ" ग्रेड के हैं।

(ख) वर्ष 1997-98 हेतु इस खान से प्रेषण का लक्ष्य 4.8 लाख टन है।

(ग) जी नहीं।

(घ) उपर्युक्त भाग (ग) के उत्तर को दृष्टिगत करते हुए प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ङ) इन खानों से कोयला प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं के नाम निम्नलिखित हैंः- (i) हिराकुंड पावर कारपोरेशन ली. (ii) उडीसा सीमेंट लि. (iii) आई.डी.सी.ओ.एल. सीमेंट इत्यादि। उदारीकृत बिक्रि योजना के अंतर्गत खानों से भी विभिश्र उपभोक्ताओं द्वारा कोयला प्राप्त कियाजा रहा है। को.ई. लि. से प्राप्त सुचना के अनुसार, बुन्डमल झारसुग्डा में रेलवे साइडिंग जनवरी, 1998 से कार्य करना आरंभ कर देगी, जहां से इस खान का कोयला अन्य उपभेक्ताओं को प्रोषित किया जा सकेगा।